साप्ताहिक
www.noidaviews.com
RNI: UPHIN/2016/70868
नोएडा
03 अप्रैल 2023 से
09 अप्रैल 2023
वर्ष: 07, अंक: 20
पेज: 08, मूल्य: 3 रूपया

नोएडा व्यूज

● नोएडा ● ग्रेटर नोएडा ● दादरी ● जेवर

घुंघराले बालों की समस्या: आजमाइए ये घरेलू नुस्खें
8

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तहत गौतम बुध नगर को मिली छह खेलों की मेजबानी

ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कंपलेक्स में बॉक्सिंग, स्विमिंग और कबड्डी का आयोजन होगा।

ग्रेटर नोएडा। कपिल तोंगड़

जिले में करोड़ों रुपए खर्च कर बनाए गए स्टेडियम सुविधाएं नदारद

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तहत गौतम बुध नगर को छह खेलों की मेजबानी मिली है। इनमें बॉक्सिंग, स्विमिंग, बास्केटबॉल, कबड्डी, वेटलिफ्टिंग और शूटिंग।

इनमें से ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कंपलेक्स में बॉक्सिंग, स्विमिंग और कबड्डी का आयोजन होगा। जबकि गौतम बुध विश्वविद्यालय में वेटलिफ्टिंग और बास्केटबॉल का आयोजन होगा और शूटिंग का आयोजन गौतम बुध नगर में अंतरराष्ट्रीय मानकों की शूटिंग रेंज नहीं होने के कारण दिल्ली के तुग़लकाबाद स्थित करणी सिंह शूटिंग रेंज में होगा।

जिले में में सैकड़ों करोड़ों रुपए खर्च करके बनाए गए स्टेडियम लेकिन नहीं है अंतरराष्ट्रीय मानकों की शूटिंग रेंज, जिन खेलों की सुविधाएं स्टेडियम में मौजूद है उनकी हालत भी खस्ता हो गई है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधीन आने वाले विजय सिंह पथिक स्टेडियम की हालत भी खस्ता है खेल के ग्राउंड और इक्विपमेंट खराब हो रहे हैं लेकिन प्राधिकरण की तरफ से स्टेडियम पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

अवैध रूप से रह रहे विदेशियों के खिलाफ अभियान तेज

▶ द्वारका जिला में मार्च माह में 28 विदेशी नागरिकों को किया डिपोर्ट

▶ वीजा अवधि समाप्त होने पर ठगी और तस्करी में हो जाते हैं लिप्त

नई दिल्ली। द्वारका जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों के खिलाफ पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। ऐसे विदेशी नागरिक राजधानी में रहकर गलत धंधे में लिप्त पाए गए हैं। मार्च माह में ऐसे 28 नागरिकों को उनके देश में डिपोर्ट किया गया है, वहीं इस साल कुल 82 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया गया है। जबकि द्वारका से पिछले साल 437 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया गया था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस लगातार ऐसे विदेशी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, जो वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी राजधानी में चोरी-छिपे रह रहे हैं। इनमें डिपोर्ट किए जा रहे विदेशी नागरिकों में ज्यादातर आरोपी अफ्रीकी देश नाइजीरिया के नागरिक हैं। वहीं चीन, घाना, उज्बेकिस्तान के भी काफी नागरिकों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई हुई है। द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त एम हर्षवर्धन ने बताया कि द्वारका जिले की वाहन चोरी निरोधक शाखा, नारकोटिक्स सेल और मोहन गार्डन थाना पुलिस इस पर लगातार काम कर रही हैं।

मोहन गार्डन बना विदेशियों का ठिकाना

राजधानी में ज्यादातर विदेशी नागरिकों का ठिकाना मोहन गार्डन के उत्तम नगर, नवादा, महावीर एंक्लेव, तिलक नगर, चंद्र विहार,मटियाला, निहाल विहार, द्वारका मोड़ है। यहां अफ्रीकी देशों के नागरिक अधिक रहते हैं। ये सभी बिजनेस वीजा या फिर मेडिकल वीजा लेकर भारत में आते हैं। यहां अपने देश के नागरिकों की मदद से यहां काम धंधा करने लगते हैं। साथ ही आपराधिक गतिविधि में भी लिप्त हो जाते हैं। वहीं यहां म्यांमार के नागरिकों में अधिकांश शरणार्थी के तौर पर यहां रहते हैं। इनकी सबसे ज्यादा आबादी हस्तसाल, बुढेला, चाणक्य प्लेस में है।

संपादकीय

भारत नेतृत्व करने की ओर अग्रसर

कपिल कुमार
संपादक, नोएडा व्यूज

हम स्वाधीनता का अमृत महोत्सव वर्ष मना रहे हैं हैं पर इस अमृत महोत्सव के पीछे हमें यह नहीं भूलना है कि भारत देश अब एक स्वतंत्र, आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुका है। अब समय आ गया है कि भारत के तमाम बुद्धिजीवियों,नौजवानों के वैज्ञानिकों और शिक्षित देशवासियों को वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर होने की क्षमता को द्विगुणित करना होगा और विश्व के एक प्रबल नेता की तरह हमें अपनी शक्ति प्रदर्शित करनी होगी। कई वर्षों की परतंत्रता के बाद अनेको जीवन का बलिदान देने और विभिन्न कठोर संघर्षों के बाद हमें स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इस स्वतंत्रता और स्वाधीनता के मूल्य और इसकी अंतर्निहित शक्ति को देश के नौजवानों,शिक्षित नागरिकों को आत्मसात कर इसे पहचानना होगा। समाज के हर वर्ग की खून पसीने और पीढीयों के संघर्ष के बाद प्राप्त स्वतंत्रता को हमें देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता की शक्ति से चिरकाल तक स्थाई रूप से बनाए रखना है। स्वतंत्रता के महत्व को समझ कर भारत को वैश्विक स्तर पर श्रेष्ठतम मुकाम पर पहुंचाना होगा तब जाकर स्वाधीनता के सही मायने फलीभूत होंगे। हमें स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष और बलिदान को किसी भी क्षणों में नहीं भुलाना चाहिए, हमें हाथ में रखकर किसी ने परोस के स्वतंत्रता नहीं दी है, इसके लिए बहाये हुए खून पसीने को विश्मृत न कर के इस की आन बान शान को हमेशा ऊंचा रखना होगा। कभी स्वतंत्रता पर खतरा ना आए इसके लिए यह हमारे देश के दिग्दर्शकों को अपनी कर्मठ जिजीविषा से बनाए रखना होगा। स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद हमारी एकता, अखंडता एवं एकरूपता मजबूत हुई है, पर कतिपय राजनैतिक मंसूबों के कारण आज हम सांप्रदायिकता, क्षेत्रीयता, जातीयता और अलग-अलग भाषाओं के संघर्षों से गुजर रहे हैं। हम आज मंदिर ,मस्जिद, गुरुद्वारा और चर्च के विवाद को लेकर विवाद ग्रस्त हो जाते हैं।

> **राजनीतिक पार्टियों के चंद राजनेता वोट बैंक बनाने के लिए कभी अल्पसंख्यकों में अलगाव के बीच बोलने का प्रयास करते हैं। कभी आरक्षण के नाम पर पिछड़े वर्गों को देश की मुख्यधारा से बहकाने का प्रयास करते हैं, और कभी किसी विशेष जाति प्रांत या भाषा के हकदार बन कर देश की एकता, अखंडता को खंडित करने का पुरजोर प्रयास करते हैं। यह अत्यंत निंदनीय एवं चिंतनीय सामाजिक पहलू है, जिस संदर्भ में हमें गहन विचार करने की आवश्यकता भी है। सामाजिक स्तर पर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एवं अन्य वर्ग सुचारू रूप से भाईचारे में अखंड विश्वास रखते हैं एवं सामान्य जीवन करने में विश्वास रखते हैं पर कुछ राजनेता इन सभी संप्रदायों को आपस में लड़वाकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास करते हैं। राष्ट्रीय अखंडता एकता तथा सहयोग को बनाए रखने के लिए हम सबका यह कर्तव्य भी है कि हमें एकजुट होकर राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को सदैव बनाए रखने का सतत प्रयास करना चाहिए। हम यदि ऐतिहासिक रूप से देखें की अनेक धर्मो जातियों और अनेक भाषाओं वाला भारत देश पूर्व में अनेक विसंगतियां के बावजूद सदैव एकता के सूत्र में बंधा रहा है।**

कभी हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी,मराठी,तेलगु,और कभी असमी भाषा के असमंजस में फंस कर एक दूसरे का विरोध जताना शुरू कर देते हैं। मूलतः हमें राष्ट्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए सांप्रदायिकता के विद्वेष, ईर्ष्या, जलन और सीमा तथा भाषाई विवाद से परे हटकर देश में अखंडता, सांप्रदायिक सद्भावना का एक शुद्ध वातावरण समाज में तैयार करना होगा, जिसके फलस्वरूप हम विकास की मुख्यधारा में अपना व्यक्तिगत योगदान राष्ट्र के प्रति दे संके। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी ने कहा था कि भारत संपूर्ण विश्व में एक अकेला ऐसा राष्ट्र है जहां मंदिरों ,मस्जिदों, गिरजाघरों और गुरुद्वारों का एक एकात्मक सह अस्तित्व कायम है। वर्तमान समय में वैश्विक स्तर पर आतंकवाद शांति सद्भावना एवं किसी भी राष्ट्र की अखंडता एकता एकरूपता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। आतंकवादी कभी अमेरिका और कभी भारत के दिल्ली, मुंबई और अनेक प्रदेशों को अपना निशाना बनाकर आतंक फैलाने का प्रयास करते हैं और आतंकवाद ने कई राज्यों में अपार जनहानि तथा संपत्ति की क्षति पहुंचाई है। इसके अतिरिक्त अलगाववादियों ने भी राष्ट्रीय एकता अखंडता को भंग करने का पुरजोर प्रयास किया है। राजनीतिक पार्टियों के मंसूबों तथा उनकी महत्वाकांक्षाओं के कारण भी अलग-अलग जातियों संप्रदाय तथा पूजा के पवित्र स्थानों को लेकर समाज को अलग करने का बीजारोपण भी किया है।

जल मानवता के लिए रक्त की तरह है

एडवोकेट किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर जल एक ऐसा मुद्दा है, जो मानवीय जीवन जीने के लिए अति ज़रूरी तत्व है, जिसके बिना मानवीय जीवन की कल्पना तक नहीं की जा सकती क्योंकि जीवन का दूसरा नाम जल है इसीलिए कहा जाता है जल ही जीवन है। हालांकि वैश्विक स्तरपर जल का सुरक्षित उपयोग करने की अनेक हिदायतें दी जाती है, यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी जल के अत्यधिक उपयोग, अति विकास, जल का अवहनीय इस्तेमाल व प्रदूषण से जल को बचाने के लिए समय समय पर अनेक जन जागरण अभियान से कार्यक्रमों का आयोजन किया है।परंतु हम मानवीय जीव है कि इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। अभी हाल ही में ग्लोबल वाटर सिक्योरिटी रिपोर्ट 2023 नाम से 33 देशों की जल सुरक्षा का आंकलन किया गया है, जिसमें 70 फ़ीसदी से अधिक लोगों के पास साफ़ पानी की पहुंच नहीं है, जिसकी चर्चा हम नीचे करेंगे। उसी तरह संयुक्त राष्ट्र जल पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान तथा यूनेस्को एवं संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन 2023 में भी जल पर चिंता व्यक्त कर सुरक्षा के उपाय साझा किए गए थे, जिसमें जल के लिए साझेदारी और सहयोग मुख्य था। चूंकि ग्लोबल वाटर सिक्योरिटी रिपोर्ट-2023 जलसंबंधी गंभीर ध्यान आकर्षित कर रहा है इसीलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, जल मानवता के लिए रक्त की तरह है।

साथियों बात अगर हम ग्लोबल वाटर सिक्योरिटी रिपोर्ट 2023 की करें तो, इस नाम से एक ऐसी रिपोर्ट जारी की गई है जिसमें आने वाले समय में पानी के गंभीर संकट की ओर इशारा किया गया है।

इस रिपोर्ट में तीन अलग -अलग भौगोलिक क्षेत्रों के 33 देशों की जल सुरक्षा को लेकर आकलन किया गया है और बताया गया है कि कहां कहां पानी की भारी किल्लत है और कहां कहां पानी की स्थिति अच्छी है। पानी के लिहाज से असुरक्षित देशों के बारे मेंरिपोर्ट में कहा गया है कि चार में से तीन लोग वर्तमान में पानी के लिहाज से असुरक्षित देशों में रहते हैं। इन देशों में पाकिस्तान समेत सोलोमन द्वीप, सूडान, इथियोपिया, अफगानिस्तान, जिबूती, हैती, पापुआ न्यू गिनी शामिल हैं। सोमालिया, लाइबेरिया सेंट किट्स और नेविस, लीबिया, मेडागास्कर, दक्षिण सूडान, माइक्रोनेशिया, नाइजर, सिएरा लियोन, यमन, चाड, कोमोरोस और श्रीलंका की हालत भी ठीक नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार जल कार्रवाई दशक (2018-2028) और सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के माध्यम से 186 देशों में 7.8 अरब लोगों को प्रभावित करने वाली जल सुरक्षा की स्थिति की बहुआयामी योजना प्रस्तावित है।

जाहिर है ये रिपोर्ट बहुत ही भयावह आंकड़े दर्शाती है। दुनिया सभी के लिए स्वच्छ पानी और स्वच्छता के लिहाज से बहुत दूर है। दुनिया की आबादी के 78 फीसदी लोग वर्तमान में पानी की कमी वाले देशों में रहते हैं। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान की एक रिपोर्ट में पाकिस्तान समेत 22 ऐसे देशों के बारे में आकलन किया गया था जहां पानी की कमी से पैदा होने वाले खतरे के प्रति आगाह किया गया था। बताया गया था कि इन देशों में पानी धरती के काफी नीचे चला गया है और लोगों को साफ पानी मयस्सर नहीं है। यूएन यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट में यह कहा गया था कि संयुक्त राष्ट्र के जल विशेषज्ञों ने विश्व के जल संसाधनों के सबसे हालिया आकलन किया है, जिससे पता चला है कि स्वच्छ पेयजल आज भी दुनिया के आधे से अधिक लोगों के लिए एक सपना है। वैश्विक आबादी के 70 फीसदी से अधिक लोगों के पास साफ पानी की पहुंच नहीं है। ये देश पानी के लिहाज से हैं सुरक्षित। वैश्विक जल संकट के बीच कुछ देश ऐसे भी हैं जिन्हें रिपोर्ट में सुरक्षित बताया गया है, इनमें डेनमार्क, लक्समबर्ग, ऑस्ट्रिया नॉर्वे, स्विट्जरलैंड, फिनलैंड, आइसलैंड, आयरलैंड, फ्रांस, लिथुआनिया, ग्रीस, जर्मनी, यूके, एस्टोनिया, इटली, लातविया स्पेनस्लोवाकिया, स्लोवेनिया, क्रोएशिया, चेकिया, हंगरी, पुर्तगाल हैं। अमेरिका में जल-सुरक्षा के लिहाज एकमात्र कनाडा सबसे बेहतर है. एशिया प्रशांत क्षेत्र में जल-सुरक्षित देशों में न्यूजीलैंड साइप्रस ऑस्ट्रेलिया, जापान, इज़राइल, कुवैत और मलेशिया शामिल हैं, लेकिन खास बात ये कि इसमें भारत का नाम नहीं है। भारत उन देशों की सूची में भी नहीं है जहां पानी का संकट है।

साथियों बात अगर हम संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट 2023 की करें तो, संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक, 2050 में दुनिया की 1.7 से 2.40 अरब शहरी आबादी जल संकट से जूझ सकती है, जिसका असर सबसे ज्यादा भारत भारतवासियों पर पड़ने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2016 में 93.3 करोड़ शहरी आबादी जल संकट से जूझ रही थी। संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन-2023 से पहले मंगलवार (21 मार्च, 2023) को संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट 2023: जल के लिए साझेदारी और सहयोग' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया में करीब 80 प्रतिशत आबादी जल संकट से जूझ रही है।

व्यंग्य: सरकारी बाबू दीनू

हनुमान मुक्त

एक दिन जब चार– छह पुलिसकर्मियों के साथ धड़ाधड़ एक अफसर ने उसके कमरे में प्रवेश किया और दीनदयाल द्वारा कुछ ही समय पूर्व वसूले 500 को उसकी जेब से सबके सामने निकाल, पंचनामा तैयार किया तो सारी मदहोशी काफूर हो गई। लगा एक साथ किसी ने ऊपर से नीचे धक्का दे दिया और वह नीचे गिर पड़ा।

साहब ने उसे ऑफिस में सबसे अच्छी कमाऊ सीट दी ।जिस पर हमेशा लक्ष्मी की कृपा बनी रहती थी। दीनू ने सरकारी नौकरी मिलने की उम्मीद सपने में भी करना छोड़ दिया था। आज उसकी साधना साहब की मेहरबानी से पूरी हो गई।

दीनू धन्य हो गया। उसका रोम-रोम साहब का ऋणी हो गया ।

अब दीनू मास्साब स्वमेव ही धीरे-धीरे दीनदयाल बाबू जी बनते चले गए। एक ही झटके में दीनू की मार्केट वैल्यू बढ़ गई। सोशल स्टेटस यहां से वहां पहुंच गया।

दीनू के दीनदयाल बाबूजी बनने की खबर जंगल में आग की तरह यौवनाओं के पिता तक फैल गई। वे भी अब सरकारी जंवाई को अपना जंवाई बनाने को लालायित हो उठे। अपनी पुत्री का हाथ सरकारी महकमें के बाबू को देकर वे अपनी पुत्री के भविष्य की चिंता से मुक्त होना चाहते थे।

जैसे-जैसे दीनदयाल ऑफिस की कार्य पद्धति समझता जाता, वैसे वैसे अपनी कीमत भी बढ़ाता जाता। शून्य से शुरू होने वाले दीनदयाल बाबूजी में कुछ ही महीनों में आमूलचूल परिवर्तन आ गया। पेंट की कमर और बुशर्ट का सीना बढ़ गया। सब कपड़े टाइट हो गए। चेहरे पर झुर्रियों का स्थान एक अनोखी चमक ने ले लिया। जो दोस्त पहले कन्नी काट कर निकल जाया करते थे। अब रुक कर दीनू से हाथ मिलाकर जाते हैं।

जिस तेजी से सुंदरियों का कपड़ा उतारने का ग्राफ बढ़ रहा है। उसी तेजी से दीनदयाल बाबूजी के स्टेटस का ग्राफ बढ़ने लगा था। सुंदरियों के साथ-साथ दहेज भी देने वाले सुंदरियों के पिता उनके लिए तैयार बैठे थे। बस हां भरने की देर थी।

दीनदयाल बाबूजी सुंदरियों का इंटरव्यू पर इंटरव्यू लिए जा रहे थे। वे अपनी जीवन संगिनी में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं चाहते थे। लंबाई, चौड़ाई ,मोटाई, चेस्ट, ब्रेस्ट इत्यादि का बारीक मुआयना जारी था।

पहले जहां दर्शन करने के लाले पड़ गए थे। अब पूरी बेहयाई से इस काम को अंजाम दिए हुए थे। वह भी सुंदरियों के पिताओं की मर्जी से।

आखिर दीनदयाल सरकारी महकमे के कुंवारे बाबू थे।

आर के साहब की पूरी निगाह दीनदयाल पर थी। उस में आए बदलाव को वे बहुत अच्छी तरह देख रहे थे। बढ़ते स्टेटस और ऊपरी आमदनी को दीनू पचा नहीं पा रहा था । उस पर मदहोशी सवार हो गई। मदहोशी में लापरवाही होना स्वाभाविक था।

एक दिन जब चार- छह पुलिसकर्मियों के साथ धड़ाधड़ एक अफसर ने उसके कमरे में प्रवेश किया और दीनदयाल द्वारा कुछ ही समय पूर्व वसूले 500 को उसकी जेब से सबके सामने निकाल, पंचनामा तैयार किया तो सारी मदहोशी काफूर हो गई। लगा एक साथ किसी ने ऊपर से नीचे धक्का दे दिया और वह नीचे गिर पड़ा।

सबको एक ही लाठी से हांकने की कीमत चुकानी पड़ गई। गच्चा खा गए और पकड़े गए। जैसे तैसे साहब के प्रयासों से जमानत तो हो गई। लेकिन दो दिन में ही सारा संसार सूना हो गया। घर पर लोगों की लाइन लगना तो दूर संवेदना के दो शब्द प्रगट करने वालों तक का अकाल पड़ गया। जीवनसंगिनी बनाने के लिए कहां तो इन्टरव्यू पर इंटरव्यू लिए जा रहे थे और कहां खुद ही इंटरव्यू हो गए ।

मुक्तायन, 93, कांति नगर, मुख्य डाकघर के पीछे, गंगापुर सिटी, जिला- सवाई माधोपुर (राजस्थान)
मोबाइल: 9413503841

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक कपिल कुमार ने समग टू इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, ए-157, सेक्टर-80, फेस-2, नोएडा से छपवा कर, ग्राम व पोस्ट- खेड़ी गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया। **संपादक: कपिल कुमार,** मो. 9810402764,ई-मेलः noidaviews2014@gmail.com ● नोटः सभी विवादों का निस्तारण गौतमबुद्धनगर न्यायालय के अधीन होगा।

शिक्षा के मंदिर को बना दिया शॉपिंग मॉल

अभिभावकों के साथ खुलेआम लूट की जा रही है, बच्चे स्कूल के एडवरटाइजिंग बोर्ड है?

स्कूल जब चाहे मां बाप से छड़ी घुमा करके पैसा निकाल लेता है, बस ड्रेस का कलर ही तो चेंज करना है, या बुक दूसरे राइटर की लगानी होती है, सरकार ने बड़े-बड़े नियम बनाए हैं लेकिन स्कूलों पर उनका असर कुछ भी नहीं हुआ।

ग्रेटर नोएडा। कपिल तोंगड़

हर चीज आप को स्कूल से लेनी है किताब आप को स्कूल से लेनी है कॉपी स्कूल के नाम की होनी चहिये। यूनिफॉर्म आप को स्कूल से लेनी है, टाई बेल्ट आप को स्कूल से लेनी है, स्कूल बैग आप को स्कूल से लेना है, बस एक चीज आप बाहर से ले सकते हैं और वह है शिक्षा। शिक्षा के लिए आप बाहर से ट्यूशन लगा सकते हैं, अगर स्कूल वालों का बस चले तो बच्चों के लिए आटा चावल भी स्कूल से ही देने लगें।

स्कूल जब चाहे मां बाप से छड़ी घुमा करके पैसा निकाल लेता है, बस ड्रेस का कलर ही तो चेंज करना है, या बुक दूसरे राइटर की लगानी होती है, सरकार ने बड़े-बड़े नियम बनाए हैं लेकिन स्कूलों पर उनका असर कुछ भी नहीं हुआ।

जिला प्रशासन बड़े-बड़े दावे करता है

जिला प्रशासन कहता है कि स्कूलों में बुकशॉप नहीं होगी। स्कूल बच्चों को बाध्य नहीं कर सकते कि वह सिर्फ उन्ही की शॉप से किताबें और ड्रेस खरीदें। जबकि यह सभी बातें सिर्फ हवा हवाई है।

ऐसा कोई स्कूल नहीं है जहां पर बुकशॉप नहीं चल रही हो और वहीं से बच्चों को थैली नहीं दिए जा रहे हो। किताबें नहीं बल्कि थैलों के रेट फिक्स है स्कूल वालों ने पहले से ही क्लास के अनुसार थैला पैक कर रखे हैं और आपको पूरा थैला ही लेना होगा। आप ऐसा नहीं कर सकते कि सिर्फ आपको जिन चीजों की जरूरत है उन्हीं को ले ऐसा नहीं है आप पूरा थैला लेने के लिए बाध्य है।

कुछ स्कूलों बच्चों को बाहर निकाल कर खड़ा करने लगे हैं कि सब लोग इन्हें देख लो यह वह बच्चे हैं जिनकी फीस समय पर जमा

नहीं हो पाई है और लेट फीस पेनल्टी भी लेते है पर दिन के हिसाब से।

बच्चे शर्म की वजह से स्कूल से छुट्टी लेने लगते हैं उनके दोस्तों के सामने उन्हें बाहर खड़ा होना पड़ता है पैसे के लिए बार-बार सुनाया जाता है जिस बच्चे ने पूरी साल मेहनत करके पढ़ाई की है पैसे के लिए उसे एग्जाम में नहीं बैठने दिया जाता है।

बच्चे स्कूल के एडवरटाइजिंग बोर्ड है?

जिस भी जगह पर कहीं भी कोई एडवरटाइजिंग की जाती है उसका जगह के मालिक को कुछ ना कुछ पैसा दिया जाता है। लेकिन आपने देखा होगा स्कूल हमारे बच्चे के स्कूल बैग पर, शर्ट पर, टाई पर, बेल्ट पर, वाटर बोतल पर, कॉपी पर आदि जगह पर स्कूल का एडवर्टाइजमेंट करता है स्कूल का नाम लिखता है क्या कोई फ्री में अपनी जगह पर एडवर्टाइजमेंट करने देता है। तो फिर हमारे बच्चे क्या स्कूल के एडवरटाइजमेंट बोर्ड है?

जब स्कूल हर चीज के पैसे लेता है तो बच्चों को भी स्कूल की एडवर्टाइजमेंट करने का पैसा मिलना चाहिए कम से कम जिन कॉपियों पर स्कूल का नाम लिखा होता है वह तो फ्री मिलनी ही चाहिए।

शिक्षा अब शिक्षकों के हाथ में नहीं रही, उद्योगपति और नेताओं के हाथ में पहुंच चुके हैं

स्कूल मालिक अभिभावकों को सिर्फ पैसा देने वाली मुर्गी समझते है। उन्हें आपके बच्चे की शिक्षा से कोई लेना देना नहीं है। शिक्षा अब शिक्षकों के हाथ में नहीं रही, उद्योगपति और नेताओं के हाथ में पहुंच चुकी हैं। ज्यादातर प्राइवेट स्कूल सिर्फ पैसा कमाने के मकसद से ही खोले गए हैं।

प्रशासन के सारे नियम कायदे इनके सामने बोने नजर आते हैं। ऐसा नहीं है कि इनके कारनामे अधिकारियों को नहीं पता है लेकिन वह भी इनका कुछ नहीं कर पा रहे हैं या तो वह कुछ करना नहीं चाहते या कुछ कर नहीं पा रहे हैं, यह तो वही जाने।

नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ किसान हुए एकजुट

खैरपुर गुर्जर पंचायत में किसानों ने प्राचीन सिद्ध बाबा मन्दिर में संकल्प लिया अपना हक लेकर रहेंगे

ग्रेटर नोएडा। कपिल तोंगड़

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से प्रभावित 39 गाँवों के किसानों ने भारतीय किसान परिषद के तत्वावधान अपनी माँगो को लेकर की खैरपुर गुर्जर में पंचायत जिसकी अध्यक्षता बाबा प्रेम सिंह खारी व संचालन मनमिंदर भाटी बीडीसी ने किया। पंचायत में सभी प्रभावित गाँवों के किसानों ने अपने अपने गाँवों के तरफ़ से विचार रखे।

कहा कि प्राधिकरण लगातार किसानों को गुमराह कर रहा है। जो किसानों की मुख्य माँग है 10% प्लाट की जो किसानों को आज तक नहीं मिला है। अबकी बार किसानों की अन्तिम लड़ाई रहेंगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखवीर ख़लीफ़ा ने कहा कि प्राधिकरण ने किसानों के करार पुरे करें नहीं तो अब सभी गाँवों में पंचायत करने के बाद किसान प्राधिकरण पर जल्दी ही आन्दोलन करने का काम करेंगे।

अबकी बार नोएडा, ग्रेटर नोएडा, एनटीपीसी से प्रभावित किसान सभी एकसाथ मिलकर लड़ाई लड़ेंगे। बहुत सह लिया अब नहीं सहेंगे। ख़लीफ़ा ने सभी किसानों को

प्राचीन सिद्ध बाबा मन्दिर पर संकल्प दिलाया की अबकी बार अपना हक लेकर रहेंगे। किसानों के अस्तित्व को बचाने के लिए चाहे मुझे अपने प्राणों की आहूति लगानी पड़े तो में पीछे नहीं हटूँगा। भारतीय किसान परिषद तत्वावधान में आन्दोलन एनटीपीसी दादरी रसूलपुर भी चल रहा है। जिसमे किसान 2 अप्रैल को स्थानीय सांसद डाक्टर महेश शर्मा के घर का घेराव किया जायेगा।

आज तक किसी सरकार के प्रतिनिधियों ने जाकर किसानों के हाल भी नहीं जाना। जिससे किसान बहुत नाराज़ है। पंचायत में जिसमे मुख्य रूप से एडवोकेट विनोद कुमार वर्मा, किशनचन्द खारी, उपेन्द्र खारी, महाराज सिंह प्रधान मिलक, चन्द्रमल प्रधान पतवाडी, रामप्रसाद मुखिया हबीबपुर, धर्मी खोदना, अभिषेक चदीला, चन्द्रपाल, रामसिंह नागर, रोहतास नागर, सोनी हिन्दू, धर्मेन्द्र, विजय मास्टर, महीपाल, सेलकराम, रमेश प्रधान, ओमवीर प्रधान, अमित खारी, चहातराम, बृहम प्रधान, जगी शर्मा, जयविंदर, प्रवीण, शौक़ीन, आदेश मास्टर, अवि खारी, एडवोकेट जितेंद्र खारी, रामू खारी, एनटीपीसी व नोएडा के किसान भी मौजूद रहे।

रिजर्व प्राइस से ३ गुना अधिक रेट पर बिके आवासीय भूखंड, कैसे ले आम आदमी

ग्रेटर नोएडा। कपिल कुमार

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की आवासीय भूखंड योजना प्राधिकरण की आमदनी के लिहाज से बेहद सफल साबित हो रही है। इस योजना के 26 भूखंडों का ऑनलाइन ऑक्शन रविवार को हुआ, जिसमें इन भूखंडों पर रिजर्व प्राइस से लगभग 3 गुना अधिक कीमत पर बोली लगाई गई। सेक्टर 2 स्थित 162 वर्ग मीटर का एक भूखंड निर्धारित रिजर्व प्राइस 172 फीसदी अधिक दर पर बिका है। भूखंडों का ड्रा 4 दिन और चलेगा। लकिन आम आदमी की पहुंच से दूर हुए। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के संपत्ति विभाग ने बीते 20 जनवरी को 166 आवासीय भूखंडों की योजना लॉन्च की गई थी। इस योजना में 162 वर्ग मीटर से लेकर 738 वर्ग मीटर एरिया तक के भूखंड शामिल किए गए हैं। ये भूखंड ग्रेटर नोएडा के सेक्टर 2, सेक्टर चाई थ्री, फाई थ्री, डेल्टा टू, डेल्टा थ्री, सिग्मा 2, सिग्मा वन में स्थित हैं। इस योजना में आवेदन करने की अंतिम तिथि 13 फरवरी थी। इस योजना के भूखंडों के लिए एसबीआई के पोर्टल https://etender.sbi के जरिए आवेदन किये गये। रविवार से इन भूखंडों का ऑनलाइन ऑक्शन शुरू हो गया है।

ऋतु महेश्वरी की सराहनीय पहल: सालों से भटक रहे किसानों को जल्द मिलेंगे आबादी भूखंड

ग्रेटर नोएडा। कपिल तोंगड़

सैकड़ों किसान रोजाना ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के कार्यालय में अपने किसान आबादी भूखंड के आवंटन के लिए चककर लगाते है। प्राधिकरण में 2 से 3 घंटे बिताने के बाद निराश हो कर के लौट जाते हैं। उन्हें प्लॉट मिलने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही। सिर्फ अंधेरा ही अंधेरा दिखाई पड़ता था लेकिन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ऋतु महेश्वरी और एसीईओ आनंद वर्धन के कारण किसानों आबादी प्लॉट मिलने की उम्मीदों का अंधेरा छुटने लगा है।

छूट न जाए किसी का भी प्रार्थना पत्र

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में किसानों को अपना आबादी भूखंड लेने के लिए प्रार्थना पत्र देना होता है। जिसके बाद भूखंड देने की कार्रवाई शुरू होती है। यह प्रार्थना पत्र सालों से धूल खा रहे थे कोई इन्हें देखने वाला नहीं था। लेकिन अब अधिकारी कर्मचारी प्रार्थना पत्रों को दिन-रात खोज रहे हैं कोई छूट ना जाए। सभी को लेकर के प्रकाशन के लिए सूची तैयार की जा रही है। किसानों से संपर्क करके लगातार यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि अगर किसी ने कोई भूखंड के लिए प्रार्थना पत्र नहीं दिया है तो वह जल्द से जल्द प्राधिकरण में जमा करें। ताकि उसको भी सूची में डाला जाये। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु महेश्वरी और एसीईओं आनंद वर्धन की कार्य योजना और सभी एसडीएम का भरपूर साथ में मिल रहा है प्राधिकरण के भूमि विभाग के सभी कर्मचारी साथ मिलकर के कार्य कर रहे हैं। जो किसान आबादी भूखंड मिलने की उम्मीद छोड़ चुके थे उन्हें भी अब किरण दिखने लगी है।

बिजली के बिल में गड़बड़ी की शिकायत पर नपेंगे अधिकारी

नोएडा। बिजली के बिल में गडबड़ी की शिकायत पर अधिकारी नपेंगे। पिछले साल शुरू की गई साप्ताहिक जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों का अध्ययन करने के बाद उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन एम देवराज ने उपभोक्ताओं की समस्याओं को दूर करने के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं। अधिकारियों से स्पष्ट कहा गया है कि किसी भी हालत में उपभोक्ताओं को परेशानी हुई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निर्देश में कहा गया है कि बिल सही तरीके से तैयार करें। उपभोक्ताओं को मिलने वाले मासिक बिजली बिल में किसी प्रकार की गड़बड़ी की शिकायत न मिलें और उसमें संशोधन की गुंजाइश न रहे।

उन्होंने बिलिंग एजेंसी के खिलाफ भी नाराजगी जाहिर करते हुए प्रबंध निदेशक, मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता और जेई तक को एक चेन बनाकर नजर रखने के लिए कहा है। ताकि उपभोक्ताओं के मीटर रीडिंग व उन्हें मिलने वाले बिलों में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मुख्यालय को इस तरह की भी शिकायत मिली है कि पहले एजेंसी के कर्मचारी गलत बिल बनाते हैं, गलत मीटर रीडिंग लेते हैं, फिर उसे कम करने के एवज में उपभोक्ताओं से अवैध धन वसूली करते हैं। इस तरह की शिकायत मिलने पर संबंधित एजेंसी के कर्मचारियों के साथ उस क्षेत्र में तैनात अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई में आते हैं सबसे अधिक बिल व मीटर से जुड़े मामले

सोमवार को होने वाली साप्ताहिक जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की अधिकांश शिकायतें अधिक बिल व मीटर से जुड़ी होती हैं। क्षेत्र के एसडीओ व अधिशासी अभियंताओं का दावा रहता है कि अधिकांश मामलों का निपटारा तुरंत कर दिया जाता है।आए दिन उपभोक्ताओं को इस तरह की समस्याओं को लेकर बिजली कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता से हल किया जाता है। उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित किया जाएगा।

- राजीव मोहन, मुख्य अभियंता पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम

नोएडा में 30 अप्रैल तक धारा-144, सार्वजनिक स्थानों पर नमाज और पूजा पर प्रतिबंध

सरकारी संस्थानों के आस-पास ड्रोन कैमरे से फोटोग्राफी या शूटिंग पर रोक

विवादित स्थान या जहां प्रथा न हो,वहां अगर किसी ने पूजा की या नमाज अता किया तो कार्रवाई होगी। कोविड गाइडलाइन का पालन करना होगा।

नोएडा। आगामी त्योहारों और महत्वपूर्ण दिवसों को ध्यान में रखते हुए जिले में 30 अप्रैल तक धारा-144 प्रभावी रहेगी। इस समयावधि के दौरान किसी भी व्यक्ति द्वारा बिना अनुमति जुलूस नहीं निकाला जाएगा। पांच या इससे अधिक व्यक्तियों का समूह नहीं बनाया जाएगा।

सरकारी संस्थानों के आस-पास ड्रोन कैमरे से फोटोग्राफी या शूटिंग नहीं की जाएगी। धार्मिक स्थानों पर धार्मिक पोस्टर नहीं लगाए जाएंगे या ऐसा कोई भी कार्य नहीं किया जाएगा जो विधि विरुद्ध हो।

इमरजेंसी सेवाएं व ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी या अर्धसैनिक बल पर प्रतिबंध लागू नहीं होंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर नमाज और पूजा या जुलूस सहित किसी भी प्रकार के आयोजन पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा।

विवादित स्थान या जहां प्रथा न हो,वहां अगर किसी ने पूजा की या नमाज अता किया तो कार्रवाई होगी। कोविड गाइडलाइन का पालन करना होगा।

कार का शीशा छूने पर युवकों ने छात्र को जमकर पीटा, वीडियो वायरल

दो आरोपी छात्र गिरफ्तार, 23 सेकेंड के वायरल वीडियो के आधार पर कार्रवाई

नोएडा। कार का शीशा छूने पर पैदल जा रहे युवक ने साथियों संग मिलकर कार सवार युवक की पिटाई कर दी। मारपीट का 23 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद कोतवाली सेक्टर-39 पुलिस ने एमिटी विश्वविद्यालय के दो छात्रों पलवल निवासी कुणाल कुमार और भरतपुर निवासी समृद्ध को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अन्य छात्रों की तलाश जारी है।

रविवार को सोशल मीडिया पर 23 सेकेंड का एक वीडियो वायरल हो गया। इसमें एक युवक को छह से आठ युवक लात और घूसे से बीच सड़क पर पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक सुरक्षाकर्मी और एक युवती बीच बचाव करते दिख रहे हैं।

घटनास्थल के आसपास लोगों की भीड़ जमा है। जांच में पता चला कि मारपीट सेक्टर-126 कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर-125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय के पास हुई है।

वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों एमिटी विश्वविद्यालय में बीएससी एग्रीकल्चर के छात्र हैं।

पुलिस जांच में पता चला कि शुक्रवार शाम को दिल्ली के जैतपुर निवासी देव कुमार अपनी कार से जा रहा था। इसी दौरान उसकी कार का साइड मिरर सड़क के किनारे जा रहे एक युवक को छू गया। देव ने युवक ने माफी भी मांगी।

आरोप है कि इसके बावजूद पैदल जा रहे युवक गाली गलौज करने लगा और अपने अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया। छह से आठ युवकों ने इसके बाद देव को पीटना शुरू कर दिया। पीड़ित युवक भी एक निजी विश्वविद्यालय में एलएलबी की पढ़ाई कर रहा है।

पुलिस के मुताबिक छात्र ने घटना के दिन ही विश्वविद्यालय प्रबंधन से मामले की शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया कि इस मामले में दो छात्रों की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया गया है और मारपीट में शामिल अन्य छात्रों की तलाश की जा रही है।

घेराव करने जा रहे किसानों के बीच पहुंचे सांसद डॉ महेश शर्मा

सांसद के आवास की तरफ जा रहे किसानों को पुलिस ने रोका, हुई नोकझोंक

नोएडा। भारतीय किसान परिषद के बैनर तले घेराव करने के जा रहे एनटीपीसी से प्रभावित किसानों को पुलिस ने रोक दिया। इस दौरान उनकी पुलिस से जमकर नोकझोक भी हुई। इसी बीच सांसद डॉ. महेश शर्मा किसानों के बीच पहुंच गए और उनकी समस्या को दूर कराने का आश्वासन दिया।

भारतीय किसान परिषद के बैनर तले किसान अपनी मांगों को लेकर लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा का आरोप है कि एनटीपीसी ने किए गए वादों को 35 सालों बाद भी पूरा नहीं किया है। एनटीपीसी ने 35 साल पहले जमीन का अधिग्रहण किया था। अधिग्रहण में प्रभावित 2200 किसानों को नौकरी, शिक्षा, चिकित्सा और खेल की सुविधाएं देने का वादा किया गया था। लेकिन पूरा नहीं किया। इससे नाराज बड़ी संख्या में किसान हरौला बरात घर पहुंचे थे। किसान स्थानीय सांसद डा. महेश शर्मा का घेराव करने उनके घर या कार्यालय जाना चाहते थे। लेकिन पुलिस ने रोक दिया।

इस पर पुलिस और किसानों के बीच धक्कामुक्की भी हुई। इस दौरान किसानों के बीच पहुंचकर डा. महेश शर्मा ने आश्वासन दिया कि एक सप्ताह में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के साथ किसानों की बैठक कराकर उनकी समस्याओं को हल करवाएंगे। इस दौरान एनटीपीसी, नोएडा और ग्रेनो अथॉरिटी से प्रभावित किसान भी शामिल हुए। किसानों ने चेतावनी दी है कि सरकार अगर अपने वादे पूरे नहीं करती है तो दोनों अथॉरिटी के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

हमला सुंदर भाटी पर किया था हमला

रंगदारी मांगने पर रणदीप गिरोह का शार्प शूटर जुगला गिरफ्तार

ठेके कब्जाने के लिए बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर से पांच लाख की रंगदारी मांगने पर कसा शिकंजा

ग्रेटर नोएडा /दादरी। रणदीप भाटी के लिए हत्या करने, ठेके कब्जाने और रंगदारी वसूलने के आरोपी शार्प शूटर जोगेंद्र उर्फ जुगला और उसके साथी देवेंद्र नागर को दादरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी रणदीप भाटी का नाम लेकर चिटहेरा गांव के बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर से पांच लाख की रंगदारी मांग रहा था। जोगेंद्र वर्ष 2011 में साहिबाबाद में एक विवाह समारोह में गैंगस्टर सुंदर भाटी पर हुए जानलेवा हमले में भी शामिल था। उस मामले एसटीएफ ने जुगला के पा से एके-47 बरामद की थी। जुगला पर हत्या, हत्या की कोशिश, रंगदारी आदि के 32 केस दर्ज हैं।

चिटहेरा के बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर को दादरी के शिव नादर विवि में कई साल से निर्माण के लिए आपूर्ति का ठेका मिला हुआ है। शनिवार को गिरफ्तार किए गए देवेंद्र नागर ने सप्लायर को शिव नादर विवि का ठेका छोड़ने की धमकी दी थी।

बाद में देवेंद्र नागर के कहने पर जोगेंद्र ने कॉल कर धमकी दी और ठेका नहीं छोड़ने की एवज में पांच लाख की रंगदारी मांगी थी। आरोपी ने टोकन मनी के रूप में पचास हजार रुपये वसूल लिए थे। इसके बाद आरोपी शेष रकम लेने के लिए कॉल कर रहा था।

पुलिस ने घेराबंदी कर पहले देवेंद्र को गिरफ्तार किया। बाद में पुलिस ने जोगेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह रणदीप भाटी के इशारे पर रंगदारी वसूल रहा था।

एक लाख का इनाम होने के बावजूद पूर्व में नहीं चढ़ा था पुलिस के हत्थे, कोर्ट में किया था सरेंडर

मामले में पुलिस ने रणदीप भाटी पर भी केस दर्ज किया है।

आरोपी रंगदारी वसूलने के लिए स्कोर्पियो में सवार होकर गया था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से रंगदारी के दस हजार रुपये, पिस्टल व स्कार्पियो बरामद की है। जुगला पर पूर्व में एक लाख का इनाम था लेकिन पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर पाई थी।

लगभग तीन साल पहले आरोपी ने जिला न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। जेल से छूटने के बाद वह फिर से वारदात करने लगा।

एक सप्ताह में तीन गुना बढ़े एक्टिव केस

नोएडा। बीते एक सप्ताह में जिले में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ गई है। एक सप्ताह पहले सक्रिय मरीजों का आंकड़ा 42 था जो बढ़कर 136 हो गया है। इसमें से सात मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि केवल उन्हीं मरीजों को भर्ती करने की जरूरत पड़ रही है जो अन्य बीमारी से भी पीड़ित है। इधर रविवार को भी 44 नए मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई है।

वहीं कोरोना वायरस के म्यूटेशन का पता लगाने के लिए इनके नमूने जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भी भेजे जा रहे हैं। बढ़ते संक्रमण के साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने फ्रंट लाइन वर्करों, एल-1 और एल-2 श्रेणी के चार-चार अस्पतालों को सतर्क भी किया है। इसके

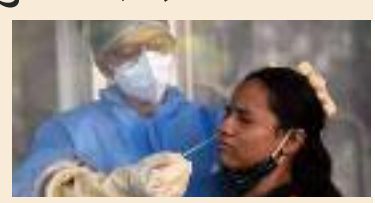

अलावा भंगेल और सेक्टर-39 के कोविड अस्पताल में मरीज के भर्ती करने की व्यवस्था की गई है। सीएमओ डॉ. सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि कुल सक्रिय 136 में से 7 मरीजों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ी है। अन्य होम आइसोलेशन में हैं। मरीजों के स्वास्थ्य के बारे में लगातार अपडेट ली जा रही है। सभी अस्पतालों को भी सतर्क कर दिया गया है। विभाग का टेस्टिंग बढ़ाने पर जोर है। पिछले 24 घंटे में 1277 लोगों की जांच की गई है।

जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर चार करोड़ का मांगा मुआवजा

प्राधिकरण अधिकारियों ने फाइल में कमी मिलने पर बैठाई जांच, फाइल पर थे तहसलीदार और लेखपाल के हस्ताक्षर

ग्रेटर नोएडा/ जेवर। यमुना प्राधिकरण में जारी परियोजनाओं के लिए हजारों हेक्टेयर जमीन की खरीद जारी है। इसे देखते हुए भूमाफिया किसानों की जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर मुआवजा उठाने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसा ही मामला रबूपुरा का सामने आया है। इसमें असली किसान की करीब 14 हजार वर्गमीटर जमीन का फर्जी दस्तावेज तैयार कर चार करोड़ से अधिक का मुआवजा उठाने के लिए फाइल प्राधिकरण कार्यालय में जमा कर दी गई।

फाइल में गड़बड़ी मिलने पर मामला पकड़ में आया गया। जिसके बाद मामले की जांच की गई। इस प्रकरण में फाइल पर तहसीलदार से लेकर लेखपाल तक के फाइल पर हस्ताक्षर मिले हैं। जिसे देखते हुए तहसीलदार ने लेखपाल से स्पष्टीकरण मांगा है।

यमुना प्राधिकरण जेवर तहसील के रबूपुरा कस्बे की जमीन को सेक्टर-28 के रूप में विकसित कर रहा है। इस जमीन पर मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने के लिए करीब 80 प्लॉट आवंटित किए जा चुके हैं। रबूपुरा के कुछ खाता संख्या में जमीन अभी प्राधिकरण ने नहीं खरीदी है। खसरा संख्या 1495 में 1.3880 हेक्टेयर जमीन रबूपुरा निवासी ओमवती पत्नी सौराज की है। मगर उनकी जानकारी के बिना ही किसी ने तथाकथित ओमवती पत्नी सौराज निवासी किला मेरठ के नाम से मुआवजा के लिए फाइल तैयार कराकर जमीन को आपसी सहमति के आधार पर देने के लिए प्राधिकरण के समक्ष आवेदन कर दिया।

प्राधिकरण में फाइल आगे बढ़ी तो अधिकारियों ने देखा कि किसान पुरानी दरों पर मुआवजा लेने के लिए सहमति दे रहा है।

शक होने पर प्राधिकरण के अधिकारियों ने रबूपुरा लक्ष्मीबाई नगर निवासी किसान ओमवती के घर टीम भेजकर जांच कराई। इसमें पता चला कि रबूपुरा निवासी किसान ने कोई सहमति पत्र प्राधिकरण को नहीं दी है। फर्जीवाड़ा कर फाइल जमा कराई गई थी। इस संबंध में पीड़िता की ओर से यमुना प्राधिकरण में आपत्ति दर्ज कराई। मामले के फर्जी होने की पुष्टि होने पर प्राधिकरण ने तहसील को रिपोर्ट भेजकर इस मामले में जवाब-तलब किया है।

फर्जीवाड़ा में भूमाफिया व तहसील स्टाफ की मिलीभगत का आरोप

रबूपुरा के ग्रामीणों का आरोप है कि करीब चार करोड़ की जमीन के गलत तरीके से कागजात तैयार कराने में तहसील के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ-साथ भूमाफिया का भी हाथ है। जब से यमुना प्राधिकरण ने जमीन की खरीद तेज की है तो एनसीआर से माफिया सक्रिय हो गए हैं। यहां पर पहले भी इस तरह की धोखाधड़ी करके जमीन का मुआवजा उठाने की घटनाएं हुई हैं।

रबूपुरा के मोहल्ला लक्ष्मीबाईनगर निवासी ओमवती ने बताया कि रबूपुरा की भूमि को मेडिकल डिवाइस पार्क के अधिग्रहीत किए जाने की खबर पढ़ी थी। मगर उनकी ओर से कोई सहमति नहीं दी है तो संदेह हुआ था। वह अधिकारियों से बातचीत करने की सोच रही थी। इसी बीच यीडा की टीम उनके घर पहुंच गई। इसके बाद पूरा मामला खुलकर सामने आ गया।

तहसील से कैसे हुआ फर्जी किसान का सत्यापन

अधिकारियों ने बताया कि आपसी सहमति से जमीन देने वाले किसानों के लिए यमुना प्राधिकरण में सीधे फाइल लगाकर पैसा लेने का प्रावधान नहीं है। बल्कि किसान की पहचान और उसके दस्तावेज की जांच की जिम्मेदारी तहसील की होती है। अब सवाल यह है कि लेखपाल से लेकर तहसीलदार ने किसान का सत्यापन किस आधार पर कर दिया।

दस्तावेज की फर्जी फाइल लगाकर जमीन का मुआवजा उठाने का मामला संज्ञान में आया है। हालांकि अभी फाइल नहीं आई है। मामले में किसान का सत्यापन करने वाले लेखपाल से स्पष्टीकरण मांगा गया है। अगर आरोप सही पाए तो आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कराई जाएगी।

- वेदप्रकाश पांडे,तहसीलदार

चेन लूटने के प्रयास में बाइक से जा रही महिला को गिराया, हुई घायल

सिर में चोट लगने के बाद महिला को अस्पताल में कराया भर्ती, बाइक सवार दो बदमाश फरार

दादरी। धूममानिकपुर बाइपास पर दो बदमाशों ने बाइक सवार महिला का चेन लूटने का प्रयास किया। चेन झपटने के चक्कर में आरोपियों ने महिला को बाइक से गिरा दिया। चेन झपटने में असफल रहे बदमाश मौके से फरार हो गए। वहीं घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रविवार को गाजियाबाद निवासी राकेश कुमार पत्नी रीना देवी के साथ बाइक से बुलंदशहर जा रहे थे। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के धूममानिकपुर बाइपास पर पीछे से बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने रीना देवी के गले से चेन खींच ली।

रीना ने चेन को हाथ से पकड़ लिया। इस दौरान बाइक का संतुलन बिगड़ गया। महिला सड़क पर गिर गई। महिला के सिर में चोट लगने से खून से लथपथ हो गई। घटना के बाद बाइक सवार बदमाश फरार हो गए। घायल रीना को जीटी रोड स्थित मोहन स्वरूप अस्पताल में भर्ती कराया है।

घटना की सूचना पाकर अन्य परिजन और पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने तत्काल वाहनों की जांच शुरू कर दी, लेकिन बदमाशों को पकड़ने में पुलिस को कामयाबी नहीं मिली। प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार का कहना है कि घायल महिला का उपचार चल रहा है पुलिस बदमाशों की तलाश में लगी है। जल्द ही गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाएगी ।

ग्रेनो में गंगाजल की जगह मिल रहा गंदा जल, प्राधिकरण ने शुरू कराई मरम्मत

पाइपलाइन की मरम्मत शुरू, गंगाजल की बेहतर आपूर्ति में तीन माह तक लग सकता है समय

ग्रेटर नोएडा। नवंबर में आधी-अधूरी तैयारियों के साथ गंगाजल की आपूर्ति शुरू करने के दावे के बावजूद शहरवासियों को अभी तक स्वच्छ गंगाजल नहीं मिला है। जिन सेक्टरों में गंगाजल की आपूर्ति हो रही है। वहां भी गंगाजल की जगह गंदा जल मिल रहा है। प्राधिकरण ने इसकी पाइपलाइन की मरम्मत का काम शुरू कता दिया है। इसमें करीब तीन माह का समय लगेगा। उसके बाद ही नोएडा की तरह ग्रेटर नोएडा वासियों को गंगाजल मिल सकेगा।

दरअसल, हापुड़ के अपर गंगा कैनाल से 85 क्यूसेक गंगाजल लाने का प्रस्ताव 2005 में बना था। साल- 2012 से 2014 के बीच ग्रेटर नोएडा में जलापूर्ति व्यवस्था के लिए पाइपलाइन तैयार कर ली गई थी। वर्ष 2017 के बाद देहरा से जैतपुर तक 23 किमी की पाइपलाइन, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, व देहरा में प्रारंभिक ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्य शुरू किया गया। देहरा से 7.4 किमी का कार्य प्राधिकरण ने 2018 तक पूरा कर लिया। उसके आगे एनटीपीसी से जमीन लेकर पाइपलाइन बिछाई गई। मगर ग्रेनो के जैतपुर स्थित मास्टर रिजर्वायर तक पहुंचाने के लिए पल्ला-बोड़ाकी के पास किसानों ने काम रोक दिया था। इससे रिजर्वायर तक आने वाली लेन में कई जगहों पर लीकेज हो गया।

नवंबर 2022 में ग्रेनो प्राधिकरण के अधिकारियों ने आनन-फानन गंगाजल आपूर्ति को शुरू करा दिया था। जबकि गंगाजल की पाइपलाइन अभी पूरी तरह दुरुस्त नहीं हुई थी। जिन सेक्टरों में गंगाजल की आपूर्ति हुई हैं, उनमें गंदा जल ही पहुंच रहा है। प्राधिकरण की ओर से पहले चरण में करीब 30 और दूसरे चरण में 36 सेक्टर में गंगाजल आपूर्ति करना था। जबकि अभी अंडरग्राउंड जलाशयों से सेक्टरों की टंकी तक नहीं जुड़ी है।

गंगाजल परियोजना पर एक नजर

- 848.13 करोड़ रुपये की 85 क्यूसेक गंगाजल
-2005 में गंगाजल परियोजना की योजना की घोषणा की गई
-फरवरी 2019 में दिल्ली-हावड़ा रेलवे लाइन के नीचे मिली काम की अनुमति
-जुलाई 2019 में एनटीपीसी दादरी से मिली एनओसी
-जून 2021 में वन विभाग ने दी काम करने की अनुमति।

निजाम कबाड़ी व उसके दो बेटों को कोर्ट से झटका, जब्त संपत्ति नहीं होगी मुक्त

गैंगस्टर एक्ट में की थी कार्रवाई, आरोपियों की याचिका कोर्ट ने की खारिज

तहसीदार के माध्यम से जब्त संपत्ति रखी जाएगी सुरक्षित, कैसे खरीदी जांच भी होगी

ग्रेटर नोएडा। दादरी निवासी कबाड़ी निजाम मुनीम और उसके दो बेटों को कोर्ट से झटका लगा है। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने सुंदर भाटी के इशारे पर स्क्रैप और कंपनी के ठेके कब्जाने के आरोप में कबाड़ी व उसके बेटों पर गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज कर करोड़ों की संपत्ति जब्त की थी।

तीनों आरोपियों ने इस कार्रवाई को गलत बताते हुए और देखरेख न होने से क्षति होने का हवाला देकर संपत्ति मुक्त करने के लिए जिला न्यायालय में याचिका दायर की थी। इस याचिका को जिला न्यायालय ने खारिज कर दिया है। न्यायालय ने तहसीलदार के माध्यम से संपत्ति सुरक्षित रखने और अपराध के माध्यम से कितनी संपत्ति खरीदी गई, इसकी जांच के भी आदेश दिए हैं।

सहायक शासकीय अधिवक्ता बबलू चंदेला ने बताया निजाम उर्फ मुनीम, उसके बेटे फिरोज मलिक व नदीम मलिक ने न्यायालय में अपील दायर की थी। जिसमें कहा गया कि पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने उस पर गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत गलत ढंग से कार्रवाई की है।

पुलिस ने मुनीम को सुंदर भाटी गिरोह से जुड़ा बताकर कार्रवाई की है। याचिका में कहा गया था कि वह कबाड़ी का व्यापार करता है। गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज करने के बाद उनकी नौ मार्च 2021 को दो संपत्ति जब्त की गई हैं। रखरखाव न होने से उनकी संपत्ति को क्षति पहुंच रही है।

समय रहते इनका रखरखाव नहीं किया गया तो उसे काफी क्षति उठानी पड़ेगी। न्यायालय ने याचिका पर सुनवाई की और गौतमबुद्धनगर पुलिस की कार्रवाई को सही मानते हुए आरोपी निजाम की यचिका खारिज कर संपत्ति सुरक्षित रखने का आदेश दिया है।

पेड़ से टकराकर 15 फीट गहरे नाले में गिरी बुलेट, युवक की मौत

दनकौर कोतवाली क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर हुआ हादसा

दनकौर। कोतवाली क्षेत्र में स्थित यमुना एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर तेज रफ्तार बुलेट पेड़ से टकरा गई। टक्कर के बाद बुलेट और सवार युवक करीब 15 फीट गहरे नाले में जा गिरा। हादसे में उसकी मौत हो गई है। उसकी शिनाख्त जेवर निवासी सुबोध (27) के रूप में हुई है। वह दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर काम करता था। हादसे के वक्त सुबोध ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी।

पुलिस के मुताबिक शनिवार रात सुबोध बुलेट से जेवर लौट रहा था। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में नोएडा इंटरनेशनल विश्वविद्यालय के पास स्थित एनआरआई सिटी के मोड़ के नजदीक बुलेट असंतुलित होकर पेड़ से टकरा गई। टक्कर के बाद बुलेट करीब 15 फीट गहरे पानी के नाले में जा गिरी। हादसे में सुबोध भी बुलेट समेत नाले में जा गिरा।

नोएडा व्यूज

यदि आपको नोएडा व्यूज की प्रतियां नियमित मिलने में परेशानी हो रही है तो कृपया हमें ई-मेल करें या फिर दिए गए नंबर पर ह्वाट्सएप करें। हम शीघ्र ही समय पर पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। अपना अखबार शुरू करवाने के लिए संपर्क करें-

+91 9810402764, noidaviews2014@gmail.com

साहित्यिक हलचल

समाज के ताने बाने से खिलवाड़ करती 'हेट स्पीच'

डॉ सत्यवान सौरभ

हेट स्पीच एक समूह, या जाति, धर्म या लिंग जैसी अंतर्निहित विशेषताओं के आधार पर किसी व्यक्ति को लक्षित करने वाले आपत्तिजनक भाषण को संदर्भित करती है, जो सामाजिक शांति को खतरा पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देश में 2014 और 2020 के बीच घृणास्पद भाषण अपराधों में छह गुना वृद्धि हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार दोहराया है कि घृणा अपराधों के नाम पर कोई गुंजाइश नहीं है।

भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म और यह राज्य का प्राथमिक कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को ऐसे अपराधों से बचाए। एक ही बयान, किसी के लिए नफरत फैलाने वाली बात हो जाता है और किसी के लिए बोलने की आजादी।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार इसी उलझन में फंसा रहता है। अपनी बात कहने की आजादी से जुड़े कई कानून हमारे देश में मौजूद हैं और एकता व शांति भंग करने वाले बयानों पर पाबंदी भी है। इन कानूनों का उपयोग और दुरुपयोग दोनों की ही चर्चा होती रहती है।

किसी भी ऐसी बात, हरकत या भाव को, बोलकर, लिखकर या दृश्य माध्यम से प्रसारित करना, जिससे हिंसा भड़कने, धार्मिक भावना आहत होने या किसी समूह या समुदाय के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और भाषा के आधार पर विद्वेष पैदा होने की आशंका हो, वह हेट स्पीच के अंतर्गत आती है।

सहिष्णुता और असहिष्णुता के शोर के बीच यह मामला और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि समस्या के मूल में यही है कि जनता और नेता किसी की बात को सह पाते हैं या नहीं। क्या किसी की बात सहन न होने पर हिंसा भड़क सकती है, इसलिए बयानों पर कानून के जरिए सजा दिलवाकर लगाम लगाना जरूरी है। या फिर अपनी बात कहने की आजादी सभी को है, इस लिहाज से कानून की बंदिश नहीं होनी चाहिए।

समाज में अनुचित व्यवहार भेदभावपूर्ण संस्थाओं, संरचनाओं और मानदंडों को उत्पन्न करते हैं, जो असमान सामाजिक संबंधों को मान्य और बनाए रखते हैं। इससे कुछ लोग दूसरों को हीन और सम्मान के योग्य समझने लगते हैं। साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं।

> साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं। साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।

साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं। पीड़ित व्यक्ति/लोग शायद ही कभी प्रतिशोध के डर से या गंभीरता से नहीं लिए जाने के डर से अधिकारियों को घटनाओं की रिपोर्ट करते हैं। यहां तक कि जब मामलों की सूचना दी जाती है, तब भी अधिकारियों द्वारा समय पर कार्रवाई की कमी के कारण उद्देश्य विफल हो जाता है। भारत में, भारतीय दंड संहिता की धारा 153 और 505 मुख्य प्रावधान हैं, जो भड़काऊ भाषणों और अभिव्यक्तियों से निपटते हैं जो 'घृणास्पद भाषण' को दंडित करने की कोशिश करते हैं।

हेट स्पीच से निपटने के लिए एक अलग कानून की अनुपस्थिति के कारण मौजूद खामियों का दुरुपयोग हुआ है। 2017 में, समिति ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें ऑनलाइन हेट स्पीच को रोकने के लिए सख्त कानूनों की सिफारिश की गई थी।प्रत्येक राज्य में एक राज्य साइबर अपराध समन्वय होना चाहिए, जो एक अधिकारी होना चाहिए जो पुलिस महानिरीक्षक के पद से कम का न हो। प्रत्येक जिले में एक जिला साइबर क्राइम सेल होना चाहिए।

इसने 5,000 के जुर्माने के साथ दो साल तक की सजा का प्रस्ताव किया। विधि आयोग की सिफारिशों को लागू करना: विधि आयोग ने अपनी 267 वीं रिपोर्ट में आईपीसी की धारा 153(B) के तहत 'नफरत को उकसाने पर रोक लगाने और कुछ मामलों में डर, अलार्म या हिंसा भड़काने' पर आईपीसी की धारा 505 के तहत नए प्रावधान जोड़कर भारतीय दंड संहिता में संशोधन का सुझाव दिया।

यह बातचीत, मध्यस्थता और मध्यस्थता के माध्यम से हेट स्पीच की समस्या का समाधान करने का एक बेहतर तरीका है। भारत में शिक्षा प्रणाली दूसरों के प्रति सहिष्णुता, करुणा और सम्मान को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। लोगों को विविधता, एक बहुलवादी समाज के महत्व और भारत की एकता में इसके योगदान के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया के उद्भव ने हेट स्पीच के निर्माण, पैकेजिंग और प्रसार के लिए कई मंच तैयार किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने टीवी बहसों पर हेट स्पीच के संबंध में भी चिंता जताई है। इसलिए इन माध्यमों को विनियमित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए. हेट स्पीच लोकतंत्र के दो प्रमुख सिद्धांतों- सभी के लिए समान सम्मान की गारंटी और समग्रता की सार्वजनिक भलाई, को खतरे में डालती है। मीडिया द्वारा एक आचार संहिता को अपनाने, निजी और सार्वजनिक संस्थानों द्वारा स्व-नियमन और बहुलवाद का सम्मान करने के महत्व और हेट स्पीच से उत्पन्न खतरों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

2020 में हेट स्पीच के मामलों में कन्विक्शन रेट 20.4% था। जिससे यह पता चलता है कि मामले तो दर्ज़ होते हैं लेकिन सजा नहीं दी जाती, जिससे लोगों के अंदर डर की भावना पनप नहीं पाती और ऐसे ही सामाजिक सद्भाव और समाज के ताने बाने से खिलवाड़ की जाती रहती है।

कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,

नमिता गुप्ता मनसी

प्रेम में संवाद..

सुनों बुद्धू राम !!!!
इतने भी चुप मत रहा करो
कि सबको सुनाई देने लगे !!

क्या बोलूं..
कुछ है ही नहीं..
वहीं रोज़ का काम !
तुम ही कुछ बोलो न,
हमेशा की तरह..

हम्मम,,,
ठीक है..मैं ही शुरू करती हूं,
अच्छा बताओ..
तुमने कभी पीला पत्ता देखा है ?
लो ..देखो,
पता है न
ये अब कभी हरा नहीं होगा ,
ध्यान से पढ़ो इसकी एक-एक लकीर को
मानों इतिहास हो
सभी जाते हुए मौसमों का ,

देखो न..
ठीक जहां से छूटा है ये
वहीं से फूटने लगा है
थोऽऽऽड़ा सा हरापन ,
हमारा प्रेम भी कुछ ऐसा ही है न
बिल्कुल इस पीले पत्ते की तरह ,
है न !!

वह बोला
कुछ देर रुककर..

हम्म्म.
तो अब क्या जरूरत है शाब्दिक औपचारिकता की ,
ये पीला पत्ता ही हमारे प्रेम का संवाद है ,,
हैं न !!
समझी नालायक लड़की !!!!!

गरिमा लखनवी

राम चरित

रामजी ने जन्म लिया,
माता-पिता का मान बढ़ाया धर्म,
मातृभूमि की रक्षा करना,
सबको यह पाठ पढ़ाया,
अपने चरित्र का मान करके,
दुनिया को सही रास्ता दिखाया,

राम जी जैसा पुरुष इस दुनिया में कोई नहीं,
पिता को दिए वचन को उन्होंने पूरा कर दिया,
मर्यादा का हम सबको पाठ पढ़ाया,
पत्नी धर्म का मान बढ़ाया,
राम जी जैसा कोई नहीं,
जो भी उन्हें सेवक मिला,
उसको उन्होंने गले लगाया,
राम नाम का जो जाप करता,
वो दुनिया से तर जाता है ,
एक पुत्र पिता राजा का मान बढ़ाया,

लघुकथा: मुलाकात

वीरेंद्र बहादुर सिंह

कालेज में पढ़ने वाली ऋजुता अभी तीन महीने पहले ही फेसबुक से मयंक के परिचय में आई थी। दोनों घंटों चैट करते थे। शुरू-शुरू में दोनों में औपचारिक बातें ही होती थीं।

धीरे-धीरे दोनों के बीच प्रणय की बातें होने लगी थीं। दोनों एकदूसरे का फोटो भी लेनेदेने लगे थे। मयंक ने एक दिन ऋजुता के सामने विवाह का प्रस्ताव रख दिया। ऋजुता उसकी बातों से काफी प्रभावित थी।

वह उसे अच्छा भी लगने लगा था। इसलिए उसने मयंक से एक बार मिलने की बात कही। मयंक ने भी उसकी बात मान ली।

मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।

> मिलने के लिए दोनों ने जगह और समय तय कर लिया। एकदूसरे को पहचानने के लिए निशानी भी बता दी थी। तय की गई निशानी के अनुसार ऋजुता ने लाल रंग का सलवार सूट पहना और तय की गई जगह पर पहुंच गई।

मयंक पहले से ही हाथ में बुके लिए खड़ा था। ऋजुता आश्चर्य से उसे देखती रह गई।

वह कुछ सोच पाती, उसके पहले ही 45 साल का वह अधेड़ आदमी हाथ में बुके ले कर भागते हुए उसके पास आ कर बोला, हाय ऋजुता, कैसी हो? मैं मयंक, यह बुके तुम्हारे लिए।

ऋजुता के तो पैरों के तले से जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा सा छा गया।

जेड-436ए, सेक्टर-12, नोएडा-201301 (उ0प्र0)
मो-8368681336

सविता राज, मुजफ्फरपुर, बिहार

चित्र बुजुर्ग कामवाली की

जर्जर हालात,
दीन हीन कृशकाय,
गिरता स्वास्थ्य ,
मैली कुचैली साड़ी,
दो वक्त के निवाले को मोहताज,
आखों में गमों का समुद्र,
नाउम्मीदी से घिरा जीवन,
बेटे बहु की मोहताज,
चार पांच घरों में काम करके,
घर को अपने सींचती थी,
औरों के घरों की,
साफ सफाई करके,
चंद पैसे जोड़ती थी
आज बुढ़ापे ने
छीन लिया सर्वस्व
सबने काम छुड़ा दिया,
वर्षों तक जहां काम किया,
वहां से मिलता न वृद्धभत्ता,
न कोई पगार,
दाने दाने को हो गई मोहताज,
ये चित्र है समाज में,
बुजुर्ग हो चली कामवालियों की।
सरकार करे या समाज करे,
कोई तो इन बेबस अबलाओं की,
समस्याओं का निदान करे।

टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं?

गर्म या ठंडा पानी किससे नहायें

आज हम बात करेंगे टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं क्योंकि टाइफाइड के समय मरीज को अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतना बेहद जरूरी होता है. ऐसे में अगर टाइफाइड के समय मरीज के स्वास्थ्य के प्रति सावधानी नहीं बरती गई तो मरीज की हालत और भी बिगड़ सकती है जिसकी वजह से उसकी जान भी जा सकती है.

ऐसे में डॉ अलका यादव का कहना है टाइफाइड बुखार दूषित पानी से नहाने दूषित पानी पीने और इससे बने भोजन को करने से होता है इसीलिए हमें यह जानकारी होनी चाहिए कि टाइफाइड में नहाना चाहिए या नहीं। आप टाइफाइड बुखार में सामान्य ताप के पानी से नहा सकते हैं इससे आप को कोई खास नुकसान नहीं होगा .

टाइफाइड में गर्म पानी से क्यों नहाना चाहिए?

डॉ अलका का कहना है कि टाइफाइड बुखार दूषित पानी पीने और दूषित पानी से बनने वाले भोजन को करने से होता है।

ऐसे में अगर आप उसी पानी से नहाएंगे तो आपकी तबीयत और ज्यादा बिगड़ सकती है ऐसे में आपको नहाने के लिए पानी को गर्म करना आवश्यक बताया गया है क्योंकि पानी को गर्म करने से वह कीटाणु रहित हो जाता है जिसकी वजह से वह पानी पूरी तरह से शुद्ध माना जाता है।

इसीलिए टाइफाइड बुखार में गर्म पानी से नहाना बेहतर माना गया है। गर्म पानी से नहाने के साथ-साथ आपको टाइफाइड के समय गर्म पानी का सेवन पीने में भी करना चाहिए.

क्योंकि टाइफाइड में गर्म पानी पीने से शरीर से हानिकारक पदार्थ बाहर निकल जाते हैं इसीलिए आपको सुबह खाली पेट गर्म पानी और शाम को खाना खाने के बाद गर्म पानी का

सेहत के लिए नुकसानदायक है इन फलों के जूस का सेवन

1. नाशपाती का जूस

खट्टे-मीठे स्वाद वाला नाशपाती एंटीऑक्सीडेंट्स व मिनरल्स से भरपूर होता है। लेकिन इसका जूस सेहत के लिए बिल्कुल भी फायदेमंद नहीं होता है। इसकी वजह से इसमें मौजूद सॉर्बिटोल शुगर, जो आसानी से पचती नहीं है। जो अपच, गैसजैसी समस्याओं की वजह बन सकती है।

2. अनानास का जूस

अनानास का जूस भी खट्टा-मीठे स्वाद लिए होता है जो लोगों को बहुत पसंद आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं इसमें शुगर की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से शरीर में ब्लड का शुगर लेवल बढ़ सकता है।

वैसे अनानास के फल में कई तरह के विटामिंस और पोषक तत्व मौजूद जाते हैं जो जूस निकालने से खत्म हो जाते हैं। तो जूस पीने की जगह अनानास खाएं।

3. एप्पल जूस

जहां रोज़ाना एक सेब खाना सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है वहीं इसका जूस सेहत के लिए किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं होता क्योंकि बाहर इसका जूस बनाते वक्त बीज कई बार निकाला नहीं जाता।

घुंघराले बालों की समस्या: आजमाइए ये घरेलू नुस्खे

आमतौर पर ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को घुंघराले यानी कर्ली लुक देने की कोशिश करती हैं। जबकि कुछ महिलाओं के बाल प्राकृतिक रूप से घुंघराले होते हैं और उन्हें उलझाव, रूखापन और टूटने जैसी बालों की समस्याओं का काफी सामना करना पड़ता है। अगर आप भी अपने घुंघराले बालों के साथ इन समस्याओं का सामना कर रहे हैं तो इनसे छुटकारा दिलाने में ये पांच घरेलू नुस्खे आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब का सिरका आएगा काम

सेब का सिरका एक प्राकृतिक हेयर क्लेरिफायर के रूप में काम करता है और आपके घुंघराले बालों को मुलायम बनाने के साथ चमक देता है।

लाभ के लिए सेब के सिरके और पानी की बराबर मात्रा को मिला लें और फिर अपने बालों को अच्छी तरह से शैंपू करके इस घोल से अपने बालों को धो लें। इसके बाद अपने सिर को ठंडे पानी से फिर से धो लें। महीने में दो बार इस नुस्खे को दोहराएं।

अंडे का करें इस्तेमाल

अंडे प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो घुंघराले बालों का टूटना रोकने के साथ उन्हें मुलायम भी बना सकते हैं। लाभ के लिए एक कटोरे में एक अंडा फेंट लें।

अब इसमें एक बड़ी चम्मच मेयोनीज और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। इसके बाद इसे अपने बालों में लगाकर 30 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में एक बार इस प्रक्रिया को दोहराने से बड़ा लाभ मिलेगा।

बीयर है प्रभावी

बीयर घुंघराले बालों को आसानी से सुलझाने से लेकर इनके टूटने की संभावना कम होने जैसे कई लाभ मिल सकते हैं। लाभ के लिए सबसे पहले अपने बालों को शैंपू और पानी से धो लें। अब धीरे-धीरे अपने बालों पर बीयर डालें और इसे लगभग पांच मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सिर को फिर से ठंडे पानी से धो लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल करें। इससे बालों की चमक और बढ़ जाएगी।

एवोकाडो करेगा मदद

एवोकाडो में विटामिन- ई एक प्रमुख पोषक तत्व है। यह आपके घुंघराले बालों को मजबूती प्रदान करने के साथ उन्हें चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक एवोकाडो को मैश करके इसके साथ दो बड़ी चम्मच दही मिलाएं। अब इस पेस्ट को अपने बालों में लगाएं और लगभग एक घंटे के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद सिर को पानी से धो लें और फिर हमेशा की तरह शैंपू करें।

एलोवेरा जेल लगाएं

एलोवेरा स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित करता है, जिससे बालों का झडना रूकता है। इसके अतिरिक्त, यह बालों से डैंड्रफ दूर करने समेत इन्हें हाइड्रेट रखता है। लाभ के लिए हफ्ते में दो बार ताजे एलोवेरा जेल से अपने बालों में मालिश करें। फिर इसे 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

योग एक प्राचीन विज्ञान है या यूं कहें कि मानव जाति के लिए एक उपहार है। तब भी, हमारे गुरु मानव शरीर की जटिल मशीन की कार्यप्रणाली जानते थे। यदि गुरुओं द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार सही तरीके से योग किया जाए, तो यह मानव शरीर को जबरदस्त फायदे पहुंचा सकता है।

पति खाना खाए बिना घर से निकला तो पत्नी ने दे दी जान

कल्पना ये तूने क्या किया: फंदे पर लटका मिला शव

पति ग्रेटर नोएडा में स्थित एक कंपनी में नौकरी करते हैं। रविवार को किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई थी।

दनकौर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर क्षेत्र के जगनपुर गांव में एक नवविवाहिता महिला ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर जान दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस जांच में पता चला है कि महिला का पिता के साथ झगड़ा हुआ था जिसके बाद पति खाना खाए बिना घर से चला गया था। जिसके बाद महिला ने यह कदम उठाया।

पुलिस ने बताया कि अंबेडकर नगर की रहने वाली कल्पना (20) दनकौर क्षेत्र के जगनपुर गांव में अपने पति के साथ किराए के मकान में रहती थी। दोनों की करीब एक वर्ष पहले ही शादी हुई थी।

पति ग्रेटर नोएडा में स्थित एक कंपनी में नौकरी करते हैं। रविवार को किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हो गई थी। उसके बाद पति बिना खाना खाए घर से चला गया। शाम के समय महिला का शव घर में फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस का कहना है कि मृतक महिला के मायके वालों को भी सूचना दे दी गई है।

कोतवाली प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही मायके वालों की शिकायत मिलने पर मामले में जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मेंटेनेंस कर्मियों पर दबाव बनाने के लिए रची बाइक चोरी की साजिश

सीसीटीवी फुटेज में बाइक ले जाते हुए देखा गया आरोपी इंजीनियर, पुलिस ने किया गिरफ्तार

साजिश में इंजीनियर के साथ अन्य लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सरोज कुमार ने बिसरख कोतवाली को शिकायत दी थी कि उसकी बाइक सोसाइटी से चोरी हो गई है।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की सुपरटेक इकोविलेज-1 सोसाइटी में एक इंजीनियर पायलट सरोज कुमार मल्लाह ने मेंटेनेंस कर्मचारियों पर दबाव बनाने के लिए बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवा दी और सुरक्षा व सुविधा न होने का आरोप लगाने लगा।

आरोपी ने मेंटेनेंसकर्मियों को धमकी भी दी थी। सीसीटीवी फुटेज हाथ लगने के बाद रविवार को पुलिस ने आरोपी इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि साजिश में इंजीनियर के साथ अन्य लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि सरोज कुमार ने बिसरख कोतवाली को शिकायत दी थी कि उसकी बाइक सोसाइटी से चोरी हो गई है।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच की गई तो पता चला कि इंजीनियर ने धोखाधड़ी कर साक्ष्य छुपाते हुए ये केस दर्ज कराया है। कोतवाली प्रभारी अनिल राजपूत ने बताया कि बाइक चोरी की जांच की गई तो सोसाइटी के सीसीटीवी फुटेज में इंजीनियर बाइक ले जाते हुए दिखाई दिया है।

इसके बाद इंजीनियर को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर बाइक बरामद कर ली गई है।

महिला के शव को उठाकर ले जाने वाला जेठ गिरफ्तार

कामबख्शपुर गांव में महिला की हत्या का मामला, पति समेत को तीन को गिरफ्तार कर चुकी है पुलिस

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने कामबख्शपुर गांव में होली की रात सरिता की हत्या के आरोप में उसके जेठ भूपेंद्र को भी गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस इस मामले में सरिता के पति जोगेंद्र उर्फ लाला, सास संता व जेठानी ऊषा को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। आरोप है भूपेंद्र ही सरिता का शव दबाने के लिए घर से उठाकर ले गया था।

ग्रेनो वेस्ट के तुस्याना गांव निवासी हरिओम की बेटी सरिता की शादी 16 फरवरी 2015 को डेरी कामबक्सपुर गांव निवासी जोगिंदर के साथ हुई थी। आठ मार्च को सरिता लापता हो गई। नौ मार्च को जोगिंदर ने गुमशुदगी दर्ज करवाई थी।

सरिता के भाई नरेंद्र की शिकायत पर 15 मार्च को पति जोगिंदर, सास संता, जेठ भूपेंद्र, जेठानी ऊषा, चचिया ससुर विजयपाल, ननदोई मनोज, विनोद के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व अपहरण का केस दर्ज किया गया। पुलिस की जांच में पता चला कि सरिता को शक था कि जोगेंद्र के परिवार की महिला से अवैध संबंध हैं।

इसका सरिता विरोध करती थी। इसे लेकर अक्सर झगड़ा होता था। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि जोगेंद्र ने आधी रात को गला दबाकर सरिता की हत्या की। जोगेंद्र ने भाई भूपेंद्र, भाभी ऊषा व मां संता के साथ मिलकर उसके शव को छुपाया था आरोपी शव की निगरानी भी करते थे।

नोएडा में युवकों की गुंडागर्दी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-126 कोतवाली क्षेत्र स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी के पास सड़क पर सरेआम गुंडागर्दी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। 23 सेकेंड का वीडियो में दो से तीन युवक एक अन्य युवक को पीट रहे हैं और इस दौरान घटनास्थल के आसपास लोगों की भीड़ भी नजर आ रही है।

साथ ही वीडियो में एक युवती व कुछ सिक्योरिटी गार्ड बीच-बचाव करते दिख रहे हैं। इस मामले में किसी पक्ष ने पुलिस से मामले की शिकायत नहीं की है। वीडियो के आधार पर आरोपितों की पहचान की जा रही है।

कार से स्टंट कर पर 23,500 का चालान

उधर, कार और बाइक से स्टंट करने के मामले कम नहीं हो रहे हैं। सेक्टर-59 में शनिवार को एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ है जिसमें दो युवक बुलेट पर सवार होकर माडिफाइड साइलेंसर से पटाखे की आवाज निकाल रहे थे। वहीं एक युवक कार से निकलकर बुलेट सवार साथियों की रील बना रहा है।

नोएडा में 15 हजार वेतन पाने वाले आपरेटर का कारनामा

67 करोड़ लोगों का डाटा किया लीक, एक साल में 81 मामले आए सामने

ग्रेटर नोएडा। देश के 67 करोड़ लोगों का डाटा लीक हो चुका है। यह डाटा साइबर ठगों के हाथ लग गया है। यदि आप आनलाइन बैंकिंग, कैब का प्रयोग, ओटीटी प्लेटफार्म पर फिल्म, आनलाइन बैंकिंग, पेटीएम, जोमेटो का प्रयोग करते है तो सावधान हो जाइए। हैरानी की बात यह है कि 67 करोड़ लोगों का डाटा 15 हजार का वेतन पाने वाले आपरेटर सोहेल व मदन ने लीक किया है।

इंस्पायरवेब्ज वेबसाइट पंजीकृत कराकर डाटा बेचने का किया काम

यह जानकारी तेलंगाना की साइबराबाद पुलिस को डाटा लीक करने के आरोप में पकड़े गए व्यक्ति विनय भारद्वाज से पता चली है। विनय को डाटा सोहेल व मदन ने उपलब्ध कराया था। सोहेल व मदन बैंक में क्रेडिट कार्ड बनवाने समेत कई अन्य कंपनियों में डाटा एंट्री आपरेटर का काम कर चुके है।

सोहेल व मदन से डाटा लेकर विनय ने हरियाणा के फरीदाबाद के पते पर इंस्पायरवेब्ज वेबसाइट पंजीकृत कराकर डाटा बेचने का काम किया है। डाटा खरीदने के लिए पिछले 48 घंटे में हर 38 सेकेंड पर गूगल पर इंस्पायरवेब्ज वेबसाइट को सर्च किया गया है।

दरअसल, तेलंगाना की साइबराबाद पुलिस ने शनिवार को दिल्ली-एनसीआर समेत देश के 24 राज्यों के 67 करोड़ों लोगों का डाटा चुराने वाले आरोपित विनय भारद्वाज को गिरफ्तार किया। तेलंगाना पुलिस ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा की गुरुग्राम व फरीदाबाद पुलिस से संपर्क कर जानकारी दी है कि पकड़े गए आरोपित विनय भारद्वाज के पास निजी कंपनियों के अलावा भारतीय सेना, परिवहन, जीएसटी समेत कई अन्य सरकारी विभागों का डाटा मिला है। इसका सबसे बड़ा कारण अस्थाई कर्मचारियों द्वारा बैंक व सरकारी संस्थानों में बतौर आपरेटर के रूप में नौकरी करना है।

हर कंपनी व विभाग थर्ड वेंडर को डाटा सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी देता है। 15 हजार का वेतन पाने वाला आपरेटर ने करोड़ों का डाटा लीक कर दिया। चंद रुपयों के लालच में डाटा साइबर फ्राड करने वाले लोगों को बेचा जा रहा है। जांच में डाटा लीक की 135 कैटेगिरी में बनाई गई सूची मिली है। डाक्टर, इंजीनियर, रियल स्टेट, सेना सबको अलग-अलग कैटेगिरी में रखा गया है। एनआरआइ लोगों का डाटा भी आरोपित के पास मिला है।

एसटीएफ ने आरबीआइ को लिखा पत्र

ऐसा पहली बार नहीं है कि डाटा लीक के मामले में देश में किसी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पूर्व में भी कार्रवाई हुई है। नोएडा एसटीएफ डाटा लीक के मामले में आरबीआइ को पत्र लिख चुकी है। पत्र में नोएडा व फरीदाबाद को डाटा चोरी के मामले में बेस बताया गया है। दोनों जगह एक हजार से अधिक कंपनियों का डाटा अब तक चोरी हो चुका है। पिछले दिनों नोएडा में ही 16 करोड़ लोगों के डाटा चोरी का मामला प्रकाश में आया था। इस पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून बनाने की जरूरत है। डाटा चोरी के मामले में महज 420 की धारा लगती है जिसमें आरोपित को जल्द जमानत मिल जाती है।

छात्र, इंजीनियर, प्रबंधक व सैलरी वाले कर्मचारी भी शामिल

जिन लोगों का डाटा लीक हुआ है उसमें दसवीं, 12वीं, बीटेक, नीट, कैट, एमटेक के छात्र व सैलरी वाले कर्मचारी जैसे इंजीनियर व प्रबंधक भी शामिल है। डाक्टरों का डाटा भी आरोपित के पास मिला है। इनकी कुल संख्या साढ़े चार लाख के करीब है।

यह है सबसे ज्यादा घातक

क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, इंश्योरेंस, लोन के नाम पर सबसे ज्यादा ठगी देश में हुई है।

फरीदाबाद से पहली बार हुई गिरफ्तारी

पुलिस की साइबर शाखा के नोडल अधिकारी नितिश अग्रवाल के अनुसार फरीदाबाद से डाटा चोरी के मामले में पिछले तीन सालों में पहली बार किसी की गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने बताया कि डाटा चोरी रोकने के लिए हर मुकदमे में यह देखा जाता है कि डाटा कहां से लीक हुआ।

शिक्षा: किताबें पाकर छात्रों के खिले चेहरे, बालिकाओं ने संभाली प्राचार्य की कमान

नोएडा। स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ शनिवार को ब्लाक संसाधन केंद्र दादरी में किया गया। नए सत्र में छात्रों के नामांकन वृद्धि एवं शिक्षा के प्रचार-प्रसार हेतु डायट प्राचार्य व प्रभारी बेसिक शिक्षा अधिकारी राज सिंह यादव ने स्कूल चलो अभियान की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सत्र के प्रथम दिन विद्यालय में आए सभी छात्रों को तिलक लगाकर व पुष्पवर्षा करके स्वागत किया गया। कक्षा एक में नवप्रवेशित नौनिहालों को विद्यालय से परिचय कराते हुए चहक कार्यक्रम की शुरुवात भी की गई। इस मौके पर दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि शिक्षा का अधिकार प्रत्येक छात्र को मिलना चाहिए। हमारी सरकार की मंशा हैं कि सभी छात्र पढ़ें और आगे बढ़ें।

उन्होंने कहा कि गत वर्षों में परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा स्तर बढ़ाने में शिक्षकों का अहम रोल रहा है। परिषदीय विद्यालयों में लगातार नामांकन में वृद्धि हो रही है। शिक्षकों की कर्मठता से परिषदीय विद्यालयों की छवि बदल रही है, जो समाज में एक अच्छा संकेत है।

विधान परिषद सदस्य चंद शर्मा ने छात्रों से कहा कि यहां मंच पर बैठे सभी आपकी तरह ही परिषदीय विद्यालय में पढे हैं। उन्होंने उच्च प्राथमिक विद्यालय दादरी के जीर्णोद्धार के लिए आश्वासन दिया कि हम दोनों विधायक मिलकर इस विद्यालय को अपना श्रेष्ठ विद्यालय बनाने का प्रयास करेंगे। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि शिक्षकों को अपने आचरण से छात्रों के सामने स्वयं को आदर्श स्थापित करना चाहिए। हमें छात्रों से इस प्रकार व्यवहार करना चाहिए कि उनके मन में कोई भी हीन भावना नहीं आये।